



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 1, 1996/वीच 11, 1917

No. 1] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 1, 1996/PAUSA 11, 1917

वाणिज्य मन्त्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 335 (पीएन)/92-97

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1996

फा. सं. 3/201/95 आई पी सी—2—यथासंशोधित निर्यात-आयात नीति, 1992-97 के पैराग्राफ—16 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड—1) 1992-97 (संशोधित संस्करण, 1995) के अध्याय—8 में, एतद्-द्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं—

(1) पैराग्राफ 146 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा—

"146. स्वर्ण/चांदी आभूषणों और वस्तुओं का निर्यात, निर्यात आयात नीति के पैरा 88 की स्कीम क से च के तहत अनुमित है। प्लेटिनम आभूषणों और वस्तुओं का निर्यातक स्कीम ख, ग और ड के तहत अनुमित है।

व्यतिरेक नीति के अध्याय—8 में दिए गए हैं। प्रक्रिया नीचे दी जाती है:

(2) पैराग्राफ 147 में पहला वाक्य "स्वर्ण/चांदी अथवा विनिर्माण संबंधी घाटा स्कीम (क) में (ब) के तहत निर्यातकों को अनुमित है" को संशोधित करके "स्वर्ण/चांदी अथवा विनिर्माण संबंधी घाटा निर्यात आयात नीति पैरा—3 के तहत स्कीम क में च के तहत निर्यातकों को अनुमित है।"

(3) पैराग्राफ 148 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा—

"स्कीम (क) में (ब) के तहत जड़ित स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम आभूषणों और वस्तुओं के निर्यातकों को रत्न प्रतिपूर्ति लाइसेंस अनुमित किए जा सकते हैं।"

(4) पैरा 150 के ऊपर लिखे शीर्ष "क" 1 क्रेताओं द्वारा विदेशी आपूर्ति किए गए स्वर्ण/चांदी आभूषणों और वस्तुओं का निर्यात के मद्दे

स्वर्ण/चांदी" को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"क. एम एम टी सी, एच एच ई सी अथवा भारत सरकार द्वारा नामित किसी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी के माध्यम से विदेशी क्रेताओं द्वारा आपूर्ति किए गए स्वर्ण/चांदी के मद्दे आभूषणों का विनिर्माण और निर्यात।"

- (5) पैराग्राफ 150 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

उप-पैरा 150 (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"एम एम टी सी, एच एच ई सी अथवा भारत सरकार द्वारा नामित किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से विदेशी क्रेता-द्वारा अग्रिम तौर पर मुफ्त आपूर्ति किए गए स्वर्ण/चांदी, एलाय, माऊंटिंग्स, फाईंडिंग्स में से विनिर्मित आभूषणों और वस्तुओं का किया जाने वाला निर्यात।"

(2) उप-पैरा 150 (2) में पहला वाक्य "शुद्ध स्वर्ण और चांदी तथा उनकी माऊंटिंग्स और फाईंडिंग्स आदि का आयात शुद्ध स्वर्ण और चांदी तथा उनकी माऊंटिंग्स और फाईंडिंग्स आदि का आयात सीमाशुल्क द्वारा हस्त-शिल्प और हथकरघा निर्यात निगम (एच एच ई सी)/ खनिज एवं धातु व्यापार निगम (एम एम टी सी) अथवा वाणिज्य मंत्रालय द्वारा नामित किसी अन्य एजेंसी को अनुमित किया जा सकता है" को संशोधित करके "शुद्ध स्वर्ण और चांदी तथा उनके एलाय, माऊंटिंग्स और फाईंडिंग्स आदि का आयात सीमाशुल्क द्वारा हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम (एच एच ई सी) / एम एम टी सी अथवा किसी अन्य नामित एजेंसी को अनुमित किया जा सकता है।"

- (3) उप-पैरा 150 (2) में शब्द और चिह्न "एलाय" को दूसरे वाक्य में आए शब्द "माऊंटिंग्स" से पहले जोड़ा जाएगा।"
- (4) उप-पैरा 150 (8) में, प्रविष्टि सं. (3) "मिन्ट प्राधिकारियों में प्राप्ति" को हटा दिया जाएगा तथा मौजूदा प्रविष्टियों की सं. (4) और (5) की संख्या बदलकर (3) और (4) हो जाएगी।
- (5) उप-पैरा 150 (9) में, निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

"(क) क्रमांक (1) पर प्रविष्टि को हटा दिया जाएगा तथा क्रमांक (2) की संख्या बदलकर (1) हो जाएगी।

(ख) क्रमांक (3) पर प्रविष्टि की संख्या बदलकर (2) हो जाएगी तथा "सुनिश्चित करें कि निर्धारित न्यूनतम मूल्य संयोजन प्राप्त कर लिया गया है तथा कि स्वर्ण/चांदी के आभूषणों और वस्तुओं में प्रयुक्त स्वर्ण/चांदी के तत्व और साथ मिले गए अनुमित संबंध अप्रयोग इस अध्याय में पैराग्राफ 147 के तहत सारणी—1 में दिए गए की तुलना में मूल्य संयोजन कम न हो। सादा और जड़ित स्वर्ण/चांदी के आभूषणों के लिए, सीमाशुल्क प्राधिकारी स्वर्ण/चांदी अंश पर न्यूनतम निर्धारित सीमा के साथ-साथ स्कीम के तहत उपलब्ध अप्रयोगों की तुलना में अधिक मूल्य संयोजन, यदि कोई हो, का भी पता लगाएंगे; तथा "

- (ग) मौजूदा प्रविष्टि (4) की संख्या बदलकर (3) हो जाएगी।

- (6) उप-पैरा 150 (12) में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

(क) पहले वाक्य में चिह्न और शब्द "एम टी सी" को शब्द "एच एच ई सी" के बाद जोड़ा जाएगा तथा शब्द के बाद "एलाय" को शब्द "माऊंटिंग्स" से पहले जोड़ा जाएगा।

(ख) दूसरे वाक्य में "स्वर्ण के मामले में, आवश्यक मात्रा नामित एजेंसी से प्राधिकार के आधार पर मिंट प्राधिकारियों से निर्यातक द्वारा सीधे प्राप्त की जा सकती है" को हटा दिया जाएगा।

- (7) उप-पैरा 150 (16) के बाद निम्नलिखित नया पैरा 150 (17) जोड़ा जाएगा :—

"निर्यात आदेश में अपरिवर्तनीय ऋण पत्र अथवा डिलीवरी पर नकद की अदायगी अथवा विदेशी मुद्रा में अग्रिम अदायगी के माध्यम से विनिर्माण और अन्य लागतों की अदायगी हेतु व्यवस्था होनी चाहिए। स्वर्ण आभूषणों का भी शुद्धि आधार पर (स्वीकृति के मद्दे दस्तावेज) निर्यात किया जा सकता है।"

- (6) पैरा 151 के ऊपर दिए शीर्षक "ख. अनुमोदित प्रदर्शनियों में बिक्री के लिए स्वर्ण/चांदी के आभूषणों और वस्तुओं हेतु स्कीम" निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"ख. प्रदर्शनियों में प्रदर्शन/बिक्री हेतु निर्यात।"

(7) पैरा 151 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:—

(1) उप-पैरा 151 (1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

इस स्कीम में, निर्यात के समय नामित एजेंसियां यानी जे ई पी सी/एच एच ई सी/एम एम टी सी सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष मूलपत्र अथवा उसकी प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करेंगी जिसमें प्रदर्शनी लगाने के लिए सरकार ने मंजूरी दी हो।”

(2) उप-पैरा 151 (2) और 151 (3) में जहां कहीं शब्द “स्वर्ण/चांदी” आए हैं उनसे पहले चिह्न और शब्द “प्लेटिनम” लिखे जाएंगे।

(3) उप-पैरा 151 (4) में पहला वाक्य संशोधित करके “विदेशी में आयोजित होने वाले व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में अस्थायी प्रदर्शन/बिक्री के लिए भारतीय निर्यातकों द्वारा बहुमूल्य धातु आभूषणों के नमूनों का व्यक्तिगत सामान अनुमित किया जा सकता है।”

(4) उप-पैरा 151 (5) (1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“नामित एजेंसियां यानी, हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम (एच एच ई सी)/एम एम टी सी प्रतिपूर्ति के तौर पर प्रयुक्त होने वाले स्वर्ण/चांदी का आयात कर सकती हैं।”

(5) उप-पैरा 151 (5) (2) में चिह्न और शब्द “प्लेटिनम” जहां कहीं शब्द “स्वर्ण/चांदी” आए हैं उनसे पहले जोड़ा जाएगा।

(6) उप-पैरा 151 (5) (3) में शब्द “स्वर्ण और चांदी”/शब्द “स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा तथा चिह्न और शब्द “खनिज और धातु व्यापार निगम” को शब्द “स्टेट बैंक ऑफ इंडिया” के बाद जोड़ा जाएगा।

(7) उप-पैरा 151 (5) (4) में शब्द “स्वर्ण और चांदी” को चिह्न और शब्द “स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(8) उप-पैरा 151 (6) और 151 (6) (1) में शब्द “स्वर्ण और चांदी” को चिह्न और शब्द “स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(9) उप-पैरा 151 (6) (2) में शब्द “सरकार” को “जी जे ई पी सी” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(10) उप-पैरा 151 (6) (3) में शब्द “लाइसेंसिंग प्राधिकारी” को शब्द “एस बी आई/एम एम टी सी” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ii) उप-पैरा 151 (7) के पश्चात्, एक नया उप-पैरा 151 (8) जोड़ा जायेगा:—

“(8) विदेश में बेची गई मदों के लिए प्रदर्शनी बंद होने से 60 दिन पहले प्रतिपूर्ति के रूप में स्वर्ण चांदी की मात्रा को आयात किया जायेगा। निर्यात की अनुमति देने से पहले नामित अभिकरण को सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ एक बाण्ड भरना होगा। अन्य पार्टियों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के संबंध में, आयोजकों को भारतीय रिजर्व बैंक अथवा सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ बाण्ड भरना होगा अथवा बैंक गारंटी देनी होगी। प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए प्रदर्शनी बंद होने के पश्चात् प्रदर्शनी समाप्त होने के 50 दिन के भीतर भारतीय स्टेट बैंक अथवा जिस स्थान पर प्रदर्शनी लगी है वहां पर इसके एजेंट अथवा भारत में प्राधिकृत भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं की सहायता से निर्यातक द्वारा बुकिंग की जायेगी।

(अवशेष सहित) स्वर्ण/चांदी की मात्रा के मूल्य के आधार पर मूल्य वर्धन का परिकलन किया जायेगा जिस पर प्रतिपूर्ति की अनुमति दी जाती है अथवा जिस मूल्य पर निर्यात चालान तैयार किया गया था, जो भी ज्यादा हो।

(8) “ग. स्वर्ण/चांदी और प्लेटिनम आभूषण और वस्तुएं निर्यात संवर्धन और प्रतिपूर्ति योजना” शीर्षक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“स्वर्ण/चांदी और प्लेटिनम आभूषण और वस्तुएं निर्यात संवर्धन और प्रतिपूर्ति योजना।”

(9) पैरा 152 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे:—

“(1) उप-पैरा 152 (1) में शब्द और चिह्न “स्वर्ण/चांदी” को “स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम” द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा और शब्द “नामित अभिकरण” चिह्न और शब्द “एम एम टी सी/एच एच ई सी” द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(2) उप-पैरा 152 (2) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“मात्र निर्यातक विशिष्ट निर्यात आवेग के विरुद्ध सोने/चांदी/प्लेटिनम की निदिष्ट मात्रा की बुकिंग के लिए एस बी आई/एम एम टी सी/एच एच ई सी की नामित शाखा को निदिष्ट फर्म में तीन प्रतियों में आवेदन करेगा। निर्यातक को सोने/चांदी की 0.999 शुद्धता अथवा 0.995 शुद्धता के बराबर कुल मात्रा को बताना होगा जिसे वह बुक करना चाहता है। प्रतिपूर्ति पात्रता के लिए स्वर्ण/चांदी की मात्रा का परिकलन करने के उद्देश्य से प्लेटिनम के लिए धातु को 0.999 शुद्धता अथवा 0.995 शुद्धता से 0.999 शुद्धता के रूप में बताया जाना चाहिए। सोने/चांदी/प्लेटिनम की बुकिंग का आवेग देते समय निर्यातक को प्रस्तावित अवशेष के दावे को ध्यान में रखना चाहिए। स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम के अवशेष को ध्यान में रखते हुए स्वर्ण/

चांदी/प्लेटिनम की मात्रा एक बार बुकिंग होने के पश्चात् स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम के लिए बाद में कोई वादा पेश करने की अनुमति नहीं होगी।

(3) उप-पैरा 152 (3) में "स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम" द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा और "एम बी आई" शब्द के पश्चात् "एमएमटीसी/एचएचईसी" चिह्न और शब्दों को जोड़ा जायेगा।

(4) उप-पैरा 152 (4) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

"एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी अगले दो व्यापार दिनों के भीतर स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम, खरीदेगा, और इसके पश्चात् निर्यात को एक प्रमाण पत्र जारी करेगा जिस पर क्रम सं. डाली गई हो (जिसमें स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की मात्रा और मूल्य डॉलर में दर्शाया जायेगा जिस पर इसे खरीदा गया है) स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम खरीदने की तारीख के समय [रूलिंग टी वी की बिक्री दर पर (अमरीकी डॉलर) के बराबर रुपये सहित]/मूल्य वास्तविक मूल्य होना चाहिए जिस पर एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी द्वारा सोना/चांदी/प्लेटिनम को खरीदा गया है इसमें अनुमत सेवा प्रभार शामिल होना चाहिए किंतु बिक्री कर शामिल नहीं होगा। मूल्य वर्धन के उद्देश्य के लिए स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम के मूल्य में एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी द्वारा लगाया जाने वाला सेवा प्रभार शामिल होना चाहिए। एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी द्वारा निर्यातकों को स्वर्ण/चांदी प्लेटिनम 37 द्वारा जारी प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट मूल्य पर बेचा जायेगा। निर्यातक के लिए खरीद की प्रतियों सहित निर्यातक के आवेदन पत्र को डुप्लीकेट और तीसरी प्रतियां एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी द्वारा सीमाशुल्क सदन को भेजी जायेंगी।

(5) उप-पैरा 152 (5) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"निर्यातक यह सुनिश्चित करेगा कि सोने/चांदी/प्लेटिनम की निकासी पोत-लदान की तारीख से 30 दिनों की अधिकतम अवधि के भीतर कर ली जाए। निर्यातक यह सुनिश्चित करेगा कि निर्यातक बुकिंग की तारीख से 30 दिनों के भीतर या 30 दिनों की बढ़ाई गई अवधि जैसा कि विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा अनुमत किया जाए, के भीतर कर लिया जाए, इस तथ्य के बावजूद कि निर्यातक ने पोत-लदान एक से अधिक खेपों में किया हो ऐसा करने में असफल होने पर निर्यातक की 200 प्रतिशत तक पेशगी राशि जब्त की जा सकती है। निर्यात करने में असफल होने पर निर्यातक के विरुद्ध देय सीमाशुल्क की वसूली के अलावा विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 इसके आदेशों, नियमों के अधीन कार्रवाई की जा सकती है।"

(6) उप-पैरा 152 (6) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"निर्यातक को संपूर्ण खरीद व्यापार पर मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय मूल्य पर अग्रिम रूप से एसबीआई/एमएमटीसी/एचएचईसी में स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम का अपेक्षित मात्रा प्राप्त करने की भी अनुमति होगी बशर्ते निर्यातक खरीद के दिन अंतर्राष्ट्रीय मूल्य और घरेलू मूल्य के बीच के अंतर और सोने की मात्रा के दिन अंतर्राष्ट्रीय मूल्य का 5% के बराबर की राशि की बैंक गारंटी प्रस्तुत करे। यदि एस बी आई/एमएमटीसी/एचएचईसी से स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम खरीदने की तारीख से 180 दिन के भीतर पूरा निर्यात नहीं किया जाता है तो ये नामित अभिकरण बैंक गारंटी को लागू करेंगे जिसे लागू करने के लिए ये प्राधिकृत है। इसके अलावा, निर्यातक द्वारा देय सीमाशुल्क को वसूली के अतिरिक्त विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 और इसके आदेशों, नियमों के अधीन निर्यातक के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।"

(7) उप-पैरा 152 (9) में (2) में शब्द "नामित अभिकरण" चिह्न और शब्द "एमएमटीसी/एचएचईसी" द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा और जहां कहीं भी "स्वर्ण/चांदी" शब्द आये उसे "स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(8) उप-पैरा 152 (10) (1) में जहां कहीं "सोना/चांदी" शब्द आये उसे "स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(9) उप-पैरा 152 (10) (2) में "स्वर्ण/चांदी" शब्दों को "स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा और अवशेषों सहित "सोने की मात्रा में सारे स्वर्ण आभूषणों के लिए 10% और जड़ित स्वर्ण आभूषणों के लिए 15% और 25% की न्यूनतम निर्धारित सीमा पर शब्द जो "निर्धारित सीमा" शब्दों के पश्चात् आ रहे हैं, को हटा दिया जायेगा।

(10) उप-पैरा 152 (10) (4) में "स्वर्ण और चांदी" शब्दों को "स्वर्ण/चांदी प्लेटिनम" चिह्न और शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(11) उप-पैरा 152 (11) में "स्वर्ण और चांदी" शब्दों को "स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम" शब्दों और चिह्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा और "नामित अभिकरण" शब्द "एमएमटीसी/एचएचईसी" शब्दों और चिह्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(12) उप-पैरा 152 (12) में "लाइसेंसिंग अभिकरण" शब्द "नामित अभिकरण" द्वारा प्रतिस्थापित "रिस्कीज आदेश" शब्द "प्रतिपूर्ति हकदारी" द्वारा प्रतिस्थापित और "नामित अभिकरण" शब्द "एमएमटीसी/एचएचईसी" शब्दों और चिह्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(13) उप-पैरा 152(13) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

“नामित अभिकरण दस्तावेजों, प्राप्त किए गए मूल्य वर्धन, जिस मूल्य पर स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम को खरीदा गया है, की जांच करेगा और वह सुनिश्चित करेगा कि निर्यातक ने निर्धारित न्यूनतम मूल्य वर्धन प्राप्त कर लिया है। यदि सक्षम है तो नामित अभिकरण प्रतिपूर्ति हकदारी प्रमाण पत्र जारी करेगा ताकि निर्यातक अवशेष सहित स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की प्रतिपूर्ति ले सके। प्रतिपूर्ति हकदारी को स्वर्ण/चांदी की 0.999 शुद्धता अथवा 0.995 शुद्धता, “प्लेटिनम की 0.9999 शुद्धता के रूप में बताया जाए और निर्यात के लिए पास मर्दों का स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम तत्व के भार और शुद्धता के बराबर मात्रा को बताया जाए जैसा कि शिपिंग बिल संबंधी सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा प्रमाणित किया गया है।

(14) उप-पैरा 152(14) में “रिलाज आदेश” शब्द “प्रतिपूर्ति हकदारी” शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित और “स्वर्ण और चांदी” तथा “स्वर्ण अथवा चांदी” शब्दों को “स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम” शब्दों और चिह्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(15) उप-पैरा 152(16) को हटा दिया जायेगा।

(16) उप-पैरा 152(17) में जहां कहीं ये शब्द आये “रिलाज आदेश” शब्द “प्रतिपूर्ति हकदारी” शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित “स्वर्ण/चांदी” शब्द “स्वर्ण/चांदी प्लेटिनम” शब्द द्वारा प्रतिस्थापित और “नामित अभिकरण” शब्द “एमएमटीसी/एचएचईसी” शब्दों और चिह्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(17) उप-पैरा 152(18) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

एस बी आई/एम टी सी/एच एच ई सी द्वारा निर्यातकों को प्रतिपूर्ति के रूप में केवल 10 ग्राम के गुणकों में सोना जारी किया जाएगा। इसी प्रकार चांदी एस बी आई/एम एम टी सी/एच एच ई सी द्वारा 10 ग्राम के निकटतम तक प्रतिपूर्ति की जाएगी किन्तु निर्यातकों को 1 किग्रा. की न्यूनतम मात्रा बेची जाएगी। सोने/चांदी के शेष मात्रा निर्यातकों को उसके भविष्य की हकदारी के साथ उपलब्ध होगी। एस बी आई/एम एम टी सी/एच एच ई सी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रदान करेगा। जिन मामलों में 0.999 शुद्धता या 0.995 गुणवत्ता से कम गुणवत्ता वाला सोना जारी किया जाता है वहां एस बी आई/एम एम टी सी/एच एच ई सी आवश्यक संयोजन करने का हकदार होगा किन्तु यह संयोजन संबंधित प्रतिपूर्ति हकदारी की मात्रात्मक सीमा के भीतर होगा।

(18) उप-पैरा 152(19) हटा दिया जाएगा।

(19) उप-पैरा 152(20) में चिह्न और शब्द/चांदी, को शब्द “स्वर्ण” के बाद जोड़ा जाएगा तथा अंतिम दो वाक्य चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के निर्यातकों को चांदी की आपूर्ति हेतु एम एम टी सी की अहमदाबाद शाखा को भी पब नामित एजेंसी के तौर पर नामित किया गया है। ऊपर उप पैराग्राफों (1) से (19) में दी गई प्रक्रिया एम एम टी सी द्वारा स्वर्ण/चांदी और एच एच ई सी द्वारा स्वर्ण की आपूर्ति के मामले में बराबर लागू होगी।

(20) उप-पैरा 152(21) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“एम एम टी सी, एच एच ई सी और एस बी आई ऋण आधार पर भी स्वर्ण की आपूर्ति कर सकते हैं। यदि निर्यातक एम एम टी सी/एच एच ई सी/एस बी आई द्वारा, जैसा भी मामला हो, यथा निर्दिष्ट अनुसार अपेक्षित बैंक गारंटी प्रस्तुत करे। निर्यातक और एम एम टी सी/एच एच ई सी/एस बी आई के बीच ऋण अवधि के लिए तय किए गए अनुसार निर्यातक को व्याज देना होगा। निर्यातक ऋण पर स्वर्ण की निकासी की तारीख से 60 दिनों के भीतर या 30 दिनों की बढ़ाई गई अवधि, जैसा भी विदेश व्यापार महा-निदेशालय द्वारा तय की जाए, के भीतर निर्यात पूर्ण करेगा। ऐसा करने में असफल होने पर निर्यातक के विरुद्ध देय सीमाशुल्क की वसूली के अलावा विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 इसके आदेशों, नियमों के अधीन कार्रवाई की जा सकती है।”

(21) उप-पैरा 152(22) के बाद निम्नलिखित अनुसार टिप्पणी जोड़ी जाएगी :—

“इस स्कीम के तहत केन्द्र सरकार ने सोने और चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के निर्यातकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम/एस बी आई और एच एच ई सी को (1) 0.999 शुद्धता का सोना या 0.995 शुद्धता का सोना और (2) 0.999 शुद्धता की चांदी या 0.995 शुद्धता की चांदी के आयात के लिए अभिकरणों के रूप में नामित किया है।”

(22) वर्तमान उप-पैरा 152(23) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“बैंक/नामित अभिकरण के साथ निर्यातक द्वारा निष्पादित बांड की प्रतिपूर्ति की अनुमति केवल अपेक्षित विदेशी मुद्रा की वसूली के बाद और

निर्यात एवं आयात नीति/प्रक्रिया पुस्तक में निर्धारित निर्यात दायित्व की पूर्ति को दर्शाने वाले ऐसे दस्तावेजी प्रमाणों के प्रस्तुत करने के आधार पर ही होगी।

(23) पैरा 152(23) के बाद दी गई टिप्पणी हटा दी जाएगी।

(24) उप-पैरा 152(23) के बाद निम्नलिखित नए उप पैरा 152(24), 152(25) और 152(26) जोड़े जाएंगे।

(25) स्कीम उन निर्यातकों के लिए होगी जो अपरिवर्तनीय साखपत्र, सुपुर्दगी, आधार पर नकद भुगतान या विदेशी मुद्रा में अग्रिम भुगतान द्वारा समर्थित हों। स्वर्ण और चांदी के आभूषण का निर्यात संग्रहीत आधार पर (स्वीकृति के मद्दे दस्तावेज) पर भी किया जा सकता है।

(26) मूल्य संयोजन की गणना एस बी आई/एच एच ई सी/एम एम टी सी द्वारा बुक किए गए सोने और चांदी के मूल्य पर सोने/चांदी अंश (अपशेष सहित) के मूल्य के संदर्भ में की जाएगी।

(27) निर्धारित अधि में आभूषणों का आयात करने में असफल होने के मामले में, निर्यातक स्वर्ण को उसी शक्ल में स्वर्ण को जारी करने वाली नामित एजेंसी यानी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया/एम एम टी सी/एच एच ई सी को वापिस कर सकता है। ऐसे सभी मामलों में, नामित एजेंसियों घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य जमा अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य के 5 प्रतिशत जिसे लागू करने के लिए यह प्राधिकृत है, के अन्तर के लिए बैंक गारंटी लागू करेगी। पूर्णतः खरीद आधार पर एस बी आई/एम एम टी सी/एच एच ई सी 5 प्रतिशत का दंड काटने के बाद स्वर्ण का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य खरीद की तारीख अथवा वापिसी की तारीख से जो भी कम हो, वापिस कर देगी।

10. ऊपर उल्लिखित पैरा 153 में शीर्ष “घ” सोने और चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के लिए अग्रिम लाइसेंस के लिए स्कीम” निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“घ. अग्रिम लाइसेंस”

11. पैरा 153 के बाद नया पैरा 153(क) निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :—

“स्कीम, तथापि उन निर्यातों के लिए होगी जो अपरिवर्तनीय साखपत्र, स्वीकृति के दस्तावेजों और/या सुपुर्दगी आधार पर नकद भुगतान द्वारा समर्थित हों। आयात केवल सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा तथा अधिसूचित विनिर्दिष्ट पत्रनों के माध्यम से ही किए जाएंगे।

निर्यात केवल पूर्व आयातों के प्रति ही किए जाएंगे। निर्यात दायित्व आयात की प्रथम खेप की तारीख से शुरू होगा और उसे उक्त तारीख से 130 दिनों के भीतर पूरा करना अपेक्षित होगा।

मूल्य संयोजन की गणना आयातित, अपशेष, सोने/चांदी की मात्रा के मूल्य के आधार पर की जाएगी। माउन्टिंग्स, फाईन्डिंग्स आदि का लागत बीमा भाड़ा मूल्य को भी ध्यान में रखा जाएगा और उनका आयात/निर्यात निवल से निवल आधार पर होगा”।

12. ऊपर उल्लिखित पैरा 154 में आने वाला शीर्ष “ड” निर्यात संसाधन क्षेत्रों (ई. पी. जेड.) और शत प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट (ई ओ यू) कंप्लेक्स से सोने/चांदी और प्लेटिनम आभूषणों और वस्तुओं के निर्यात के लिए स्कीम” निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :—

“ड. निर्यात संसाधन क्षेत्रों (ई पी जेड.), शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिटों और निर्यात अभिमुख कंप्लेक्सों से निर्यात”।

13. उप-पैरा 154(1) में “नामित अधिकरण अनुमत होगा” शब्द “एम एम टी सी” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

14. नया उप-पैरा 154(5) और 154(6) निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :—

“(5) मूल्य संयोजन के लिए माउन्टिंग्स, फाईन्डिंग्स आदि का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य को भी ध्यान में रखा जाए और उनका आयात/निर्यात निवल से निवल आधार पर होगा।

(6) सोने, प्लेटिनम और चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के अलावा अन्य बहुमूल्य धातुओं के आभूषणों व वस्तुओं का विनिर्माण और निर्यात भी उपरोक्त निर्यात अभिमुख कंप्लेक्सों/निर्यात संसाधन क्षेत्रों से किया जा सकता है। पेल्लेडियम आदि के संबंध में मूल्य संयोजन और अन्य आवश्यकताएं विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से विनिर्दिष्ट की जाएगी।”

15. ऊपर उल्लिखित पैरा 155 में आने वाला शीर्ष “च. प्रतिपूर्ति के अधीन घरेलू टैरिफ क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा सीधे 18 कैरेट से अधिक सोने के आयात के लिए स्कीम” निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी :—

“च. मूल्य आधारित स्कीम”

16. उप-पैरा 155(1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“स्थर्ण प्रतिपूर्ति लाइसेंस को जारी करने के लिए आबेदन किए गए निर्यात के कलेंडर मास के

छ: महीनों के भीतर संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को परिशिष्ट 23 में दिए गए प्रपत्र में प्रस्तुत किए जाएंगे।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

प्रधामल घोष, महानिदेशक विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 335 (PN)/92—97

New Delhi, the 1st January, 1996

F. No. 3/201/95-IPC-2.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 16 of the Export-Import Policy, 1992—97, as amended, the Director General of Foreign Trade, hereby makes the following amendments in Chapter VIII of the Hand-Book of Procedures (Volume-1), 1992—97 (Revised Edition : April, 1995) :—

(1) Paragraph 146 shall be substituted by the following :—

“146. Export of Gold|Silver jewellery and articles is permitted under Schemes A to F of Para 88 of EXIM Policy. Export of Platinum jewellery and articles is permitted under Schemes B, C and E. The details are given in Chapter VIII of the Policy. The procedure is given hereunder ;

(2) In paragraph 147 the first sentence “The Gold|Silver wastage or manufacturing loss is allowed to exporters under Schemes (A) to (E).” shall be amended to read as “The Gold|Silver wastage or manufacturing loss is allowed to exporters under Schemes A to E under Para 88 of the Exim Policy.”

(3) Paragraph 148 shall be substituted by the following :—

“Under Schemes (A) to (D) exporters of studded gold|silver|platinum jewellery and articles may be allowed Gem Replenishment Licences.”

(4) The heading “A. Scheme for export of Gold|Silver jewellery and articles against Gold|Silver supplied by the foreign buyers” appearing above para 150 shall be substituted by the following :—

“A. Manufacture and export of jewellery against Gold|Silver supplied by the foreign buyer through MMTC, HHEC or any other public sector agency nominated by the Government of India.”

(5) In paragraph 150 the following changes shall be made :—

(i) The sub-para 150(1) shall be substituted by the following :—

“The jewellery and articles to be exported may be manufactured out of the Gold|Silver, alloys, mountings, findings supplied free of charge in advance by the foreign buyer through MMTC, HHEC or any other agency nominated by the Government of India.”

(ii) In sub-para 150(2) the first sentence “The import of pure Gold and Silver and their mountings and findings etc. may be allowed by Customs to the Handicrafts and Handlooms Export Corporation (HHEC)|Minerals and Metals Trading Corporation (MMTC) or any other agency nominated by Ministry of Commerce” shall be amended to read as “The import of Gold and Silver and their alloys, mountings and findings etc. may be allowed by Customs to the Handicrafts and Handlooms Export Corporation (HHEC)|MMTC or any other nominated agency.”

(iii) In sub-para 150(2) the word and sign “alloys,” shall be added before the word “mountings” occurring in the second sentence.

(iv) In sub-para 150(8), the entry No. (iii) “Receipt from the Mint authorities” shall be deleted and existing entries No. (iv) and (v) shall be re-numbered as (iii) and (iv).

(v) In sub-para 150(9), the following changes shall be made :—

“(a) entry at S. No. (i) shall be deleted and S. No. (ii) shall be re-numbered as (i).

(b) entry at S. No. (iii) shall be re-numbered as (ii) and substituted to read as “ensure that the prescribed minimum value addition has been achieved and that the element of Gold|Silver used in the Gold|Silver jewellery and articles and the relevant wastage allowed taken together gives the value addition not lower than that provided in Table I under paragraph 147 in this Chapter. For plain and studded Gold|Silver jewellery, the Customs Authorities shall also ascertain the excess value addition, if any, over the minimum prescribed limit on the Gold|Silver content plus wastages available under the scheme ; and”

(c) The existing entry (iv) shall be re-numbered as (iii).”

(vi) In sub-para 150(12) the following changes shall be made :—

(a) In the first sentence sign and word “MMTC” shall be added after the

words "HHEC" and word and sign "alloys|" shall be added before the word "mountings".

- (b) The second sentence "In the case of Gold, the required quantity may be obtained directly by the exporter from the Mint Authorities on the basis of authorisation from the nominated agency" shall be deleted.

- (vii) After sub-para 150(16) following new sub-para 150(17) shall be added :—

"The export order should provide for the payment of manufacturing and other costs by means of irrevocable letter of credit or payment of cash on delivery or advance payment in foreign exchange. Gold jewellery may also be exported on collection basis (documents against acceptance.)"

- (6) The heading "B. Scheme for export of Gold|Silver jewellery and articles for sale at approved exhibitions" appearing above para 151 shall be substituted by the following :—

"B. Export for display|sale at exhibitions."

- (7) In para 151 following amendments shall be made :—

- (i) Sub-para 151(1) shall be substituted by the following :—

"Under this scheme, at the time of export the nominated agencies viz. GJEPC|HHEC|MMTC shall produce to the Customs Authorities the letter in original or its certified copy, containing Government's approval for holding the exhibition. Any other person|firm|company shall produce to the Customs Authorities the letter in original or its certified copy containing GJEPC's approval for holding the exhibitions."

- (ii) In sub-para 151(2) and 151(3) sign and word "[platinum]" shall be added after the words "Gold/Silver" wherever these appear.
- (iii) In sub-para 151(4) the first sentence shall be amended to read as "Personal carriage of precious metal jewellery samples by Indian exporters for temporary display|sale at trade fair|exhibitions held abroad may be permitted."

- (iv) In sub-para 151(5)(i) shall be substituted by the following :—

"The nominated agencies namely, Handicrafts and Handloom Export Corporation (HHEC)|MMTC may import Gold|Silver for being used as replenishment."

- (v) In sub-para 151(5)(ii) sign and word "[Platinum]" shall be added after the words "Gold|Silver" wherever these appear.

- (vi) In sub-para 151(5)(iii) the words "Gold and Silver" shall be substituted by the words "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear and sign and word "[Minerals and Metals Trading Corporation]" shall be added after the words "State Bank of India".

- (vii) In sub-para 151(5)(iv) the words "Gold and Silver" shall be substituted by sign and words "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear.

- (viii) In sub-para 151(6) and 151(6)(i) the words "Gold and Silver" shall be substituted by sign and words "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear.

- (ix) In sub-para 151(6)(ii) the word "Government" shall be substituted by "GJEPC".

- (x) In sub-para 151(6)(iii) the words "Licensing Authorities" shall be substituted by the words "SBI|MMTC".

- (xi) After sub-para 151(7), a new sub-para 151(8) shall be added as under :

- "(8) For items sold abroad, the Gold and Silver content shall be imported as replenishment not later than 60 days of the close of the exhibition. The nominated agency shall execute a bond to this effect with the Customs before export is allowed. In respect of exhibitions organised by others, bonds or bank guarantees shall be executed by the organisers as required under the rules of the RBI or the Customs authorities. After the close of the exhibition for the purpose of replenishment, booking shall be made by the exporter with the assistance of the State Bank of India (SBI) or their agents at the place where the exhibition is held before the close of the exhibition or with the authorised SBI branches in India within 50 days of the close of the exhibition.

The value addition shall be calculated on the basis of price of Gold|Silver content (including wastages) at which replenishment may be allowed or at the price on which the export invoice was made, whichever is higher."

- (8) The heading "C. Gold|Silver and Platinum jewellery and articles Export Promotion and

Replenishment Scheme" shall be substituted by the following :—

"Gold|Silver|Platinum jewellery and articles Export Promotion and Replenishment Scheme".

(9) In para 152 the following changes shall be made :—

(i) In sub-para 152(1) the word and sign "Gold|Silver" shall be substituted by "Gold|Silver|Platinum" and words "designated agency" shall be substituted by the sign and words "MMTC|HHEC".

(ii) Sub-para 152(2) shall be substituted by the following :—

"The eligible exporter shall apply, in triplicate, in the specified form to the designated branch of the SBI|MMTC|HHEC for booking of specified quantity of Gold|Silver|Platinum against a specific export order. The exporter shall indicate the overall equivalent quantity of Gold|Silver of 0.999 fineness or 0.995 fineness that he wishes to book. For the purpose of calculation of the quantity of Gold|Silver for Replenishment entitlement the metal shall be expressed in terms of 0.999 fineness or 0.995 fineness, 0.9999 fineness for platinum. While ordering the booking of Gold|Silver|Platinum the exporter shall take into consideration the wastages proposed to be claimed by him. Once the quantity of Gold|Silver|Platinum has been booked after accounting for Gold|Silver|Platinum wastages, no additional entitlement on account of Gold|Silver|Platinum shall be allowed to be claimed subsequently."

(iii) In sub-para 152(3) the words and sign "Gold|Silver" shall be substituted by "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear and sign and words "MMTC|HHEC" shall be added after the word "SBI".

(iv) The sub-para 152(4) shall be substituted by the following :—

"The SBI|MMTC|HHEC, shall purchase Gold|Silver|Platinum within the next two business days, and thereafter issue a certificate (serially numbered) to the exporter indicating the quantity of Gold|Silver|Platinum and the price, in dollars (including the Rupee equivalent at the ruling T.T. selling rate of US Dollars on the date of purchase of Gold|Silver|Platinum) at which purchased. The price shall be the actual price at which Gold|Silver|Platinum is purchased by the SBI|MMTC|HHEC plus permitted service charges but ex-

clusive of sales tax. The service charges levied by the SBI|MMTC|HHEC shall be included with the price of Gold|Silver|Platinum for the purpose of value addition. The SBI|MMTC|HHEC shall sell Gold|Silver|Platinum to the exporters at the price indicated in certificate issued by it. The duplicate and triplicate copies of exporter's application together with copies of purchase for the exporter shall be sent by the SBI|MMTC|HHEC to the Customs House."

(v) Sub-para 152(5) shall be substituted by the following :—

"The exporter shall ensure that drawal of Gold|Silver|Platinum be taken within a maximum period of 30 days from the date of shipment. The exporter shall ensure exports are effected within 90 days from the date of booking or within the extended period of 30 days as may be allowed by DGFT, irrespective of the fact that the exporter has made shipments in more than one consignment, failing which the exporter shall be liable to forfeiture of earnest money deposit upto 20 per cent. Failure to effect export shall render the exporter liable to action under the Foreign Trade (Development and Regulation Act, 1992, its orders, Rules, in addition to recovery of Customs duty payable."

(vi) Sub-para 152(6) shall be substituted by the following :—

"The exporter may also be allowed to obtain the requisite quantity of Gold|Silver|Platinum from the SBI|MMTC|HHEC in advance at the prevailing international price on outright purchase basis, provided the exporter submits a bank guarantee of an amount equal to the difference between the international Price and the domestic price on the day of purchase plus 5 per cent of the international price of quantity of Gold. On failure to effect exports in full within 90 days or within the extended period of 30 days as may be allowed by DGFT from the date of purchase of Gold|Silver|Platinum from SBI|MMTC|HHEC these nominated agencies shall enforce the bank guarantee which it is authorised to enforce. Further, the exporter shall be liable to action under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, its Orders, Rules, in addition to recovery of Customs Duty payable by the exporter."

(vii) In sub-para 152(9)(ii) the words "designated agency" shall be substituted by sign and words "MMTC|HHEC" and the

words "Gold|Silver" shall be substituted by the words and sign "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear."

- (viii) In sub-para 152(10)(i) the words "Gold and Silver" shall be substituted by the words and sign "Gold|Silver|Platinum" wherever these appear."
- (ix) In sub-para 152(10)(ii) the words "Gold|Silver" shall be substituted by the words and sign "Gold|Silver|Platinum" and the words "of 10 per cent for plain Gold jewellery and 15 per cent for studded Gold jewellery on the Gold content plus wastages and over the minimum prescribed limit of 25 per cent" appearing after the words "prescribed limit" shall be deleted.
- (x) In sub-para 152(10)(iv) the words "Gold and Silver" shall be substituted by the sign and words "Gold|Silver|Platinum".
- (xi) In sub-para 152(11) the words "Gold and Silver" shall be substituted by the words and sign "Gold|Silver|Platinum" and words "designated agency" shall be substituted by the words and sign "MMTC/HHEC".
- (xii) In sub-para 152(12) the words "licensing authority" shall be substituted by "nominated agency", "Release Order" shall be substituted by the words "Replenishment entitlement" and the words "designated agency" shall be substituted by the words and sign "MMTC/HHEC".
- (xiii) Sub-para 152(13) shall be substituted by the following :—

"The nominated agency shall verify the documents, value addition claimed, the price at which Gold|Silver|Platinum was purchased and ensure that the prescribed minimum value addition has been achieved by the exporter. If eligible the nominated agency shall issue Replenishment entitlement so as to enable the exporter to secure the replenishment of Gold|Silver|Platinum including wastages. The Replenishment entitlement shall be expressed in terms of Gold|Silver of 0.999 fineness or 0.995 fineness, Platinum of 0.9999 fineness and for a quantity equivalent to the weight and purity of Gold|Silver|Platinum content of the items passed for export as certified by the Customs authorities on the Shipping Bill."
- (xiv) In sub-para 152(14) the words "Release Order" shall be substituted by the words "Replenishment entitlement", and for the words "Gold and Silver" and "Gold or

Silver" the words and sign "Gold|Silver|Platinum", shall be substituted.

- (xv) The sub-para 152(16) shall be deleted.
- (xvi) In sub-para 152(17) the words "Release Order" shall be substituted by "Replenishment entitlement", words "Gold|Silver" shall be substituted by words "Gold|Silver|Platinum" and the words "designated agency" shall be substituted by the words and sign "MMTC/HHEC", wherever these appear.
- (xvii) Sub-para 152(18) shall be substituted by the following :—

"The Gold shall be released as replenishment to the exporter by the SBI|MMTC|HHEC in multiples of 10 gms. only. Similarly, Silver shall be replenished by the SBI|MMTC|HHEC upto the nearest 10 gms. but shall be sold to the exporters minimum quantities of 1 kg. only. Any balance of Gold|Silver shall be available to the exporters along with his future entitlement. The SBI|MMTC|HHEC shall grant a certificate to that effect. Where Gold of quality less than 0.999 fineness or 0.995 fineness is released, SBI|MMTC|HHEC shall be entitled to make necessary adjustments but within the quantitative limit of the connected Replenishment entitlement."
- (xviii) Sub-para 152(19) shall be deleted.
- (xix) Sub-para 152(20) sign and word "|Silver", shall be added after word "Gold", and the last two sentences. "The Ahmedabad branch of MMTC has also been nominated as designated agency for supply of Silver to the exporters of Silver jewellery and articles. The procedure laid down in sub-paragraphs (1) to (19) above shall equally apply in respect of supply of Gold|Silver by MMTC and Gold by HHEC." shall be deleted.
- (xx) Sub-para 152(21), shall be substituted by the following :—

"The MMTC, HHEC and SBI may also supply Gold on loan basis if an exporter submits the requisite bank guarantee as may be specified by MMTC|HHEC|SBI, as the case may be. The exporter shall be liable to pay interest as may be agreed between the exporter and the MMTC/HHEC/SBI for the period of the loan. The exporter shall complete the exports within 60 days from the date of drawal of Gold on loan or within the extended period of 30 days as may be allowed by DGFT failing which the bank guarantee shall be forfeited and the exporter shall also be liable to action under the Foreign

Trade (Development) and Regulations Act, 1992, its orders, rules, in addition to liability of customs duty payable and its recovery from the exporter”.

- (xxi) After sub-para 152(22) a note shall be added as under :—

“Under this scheme the Central Government have nominated the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. SBI and HHEC as agencies for the import of (i) gold of 0.999 fineness or 0.995 fineness and (ii) silver of 0.999 fineness or 0.995 fineness, to service the requirements of exporters of gold and silver jewellery and articles.

- (xxii) The existing sub-para 152(23) shall be substituted by the following :—

“Redemption of the bond executed by the exporter with the bank/designated agency shall be permitted only after the requisite foreign exchange has been realised and based on the production of such documentary evidence indicating the fulfilment of export obligation as prescribed in the Exim Policy/Handbook of Procedures.”

- (xxiii) The note appearing after para 152(23) shall be deleted.

- (xxiv) After sub-para 152(23) following new sub-paras 152(24), 152(25) and 152(26) shall be added :—

“(24) The scheme shall be limited to exports which are supported by irrevocable letter of credit, payment of cash on delivery basis or advance payment in foreign exchange. Export of gold jewellery and silver jewellery may also be allowed on collection basis (documents against acceptance).

(25) The value addition will be calculated with reference to the value of gold/silver/platinum content (including wastages) at the price at which the gold, silver and platinum is booked by SBI/HHEC/MMTC.”.

(26) In case of failure to export the jewellery within the stipulated period, the exporter may return the gold in the same form to the nominated agency which has issued the gold viz. SBI/MMTC/HHEC. In all such cases, the nominated agencies shall enforce the bank guarantee towards difference between domestic and international price plus 5% of International price which it is authorised to enforce. In case of outright purchase basis, SBI/MMTC/HHEC will refund the international price of gold as on the date of purchase

or on the date of return, whichever is lower, after deducting a penalty of 5%.”

- (10) The heading “D. Scheme for Advance Licence for Gold and Silver jewellery and articles” appearing above para 153 shall be substituted by the following :—

“D. Advance Licence”.

- (11) After para 153 a new para 153(A) shall be added as under :—

“The scheme shall, however, be limited to exports which are supported by an irrevocable letter of credit, documents against acceptance, and/or payment of cash-on-delivery basis. Imports may be made only through specified ports as notified by the Customs authorities.

Exports shall be made only against prior imports. The export obligation will begin from the date of import of the first consignment and will be required to be fulfilled within 120 days from the said date.

The value addition shall be calculated on the basis of the price at which the gold/silver content, including wastages, imported. The CIF value of mountings, findings etc. shall also be taken into account and their import/export shall be on net-to-net basis.”

- (12) The heading “E. Scheme for export of gold/silver and platinum jewellery and articles from Export Processing Zones (EPZs) and from 100% Export Oriented Unit (EOU) Complex” appearing above para 154 shall be substituted by the following :—

“E. Exports from Export Processing Zones (EPZs), 100% Export Oriented Units and EOU Complexes”.

- (13) In sub-para 154 (1) the words “nominated agency shall be allowed” shall be substituted by the words “MMTC”

- (14) New sub-paras 154(5) and 154(6) shall be added as under :—

“(5) CIF value of mountings, findings, etc. may also be taken into account for value addition and their import/export shall be on net to net basis.

(6) Apart from gold, platinum and silver jewellery and articles, jewellery and articles from other precious metals may also be manufactured and exported from the aforesaid EOU complexes/EPZs. The value addition and other requirements in respect of palladium etc., shall be specified through a Public Notice by the Director General of Foreign Trade.”

- (15) The heading "F. Scheme for import of Gold of above 18 carats directly by units situated in Domestic Tariff Area under replenishment" appearing above para 155 shall be substituted by the following :—

"F. Value based scheme."

- (16) The sub-para 155 (1) shall be substituted by the following :—

"The application for issue of Gold Replenishment Licence shall be submitted in the form given in Appendix XXIII to the concerned licensing authority within six months from the calendar month during which the export was affected."

This issues in public interest.

SHYAMAL GHOSH,
Director General of Foreign Trade